आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

# दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 256 | उज्जैन, मंगलवार 05 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

## सरकार का पहला कर्तव्य है नागरिकों की सुरक्षा-मुख्युमंत्री

**मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री ने किया शिवपुरी के ग्राम पचावली में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण**

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को शिवपुरी जिले के ग्राम पचावली पहुंचकर हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ से प्रभावित स्थानीय नागरिकों को मकान क्षति तथा खाद्यान्न के लिए सहायता राशि प्रदान की। मुख्यमंत्री ने ग्राम पचावली में ग्रामवासियों की समस्याएं सुनीं।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवपुरी विधायक श्री देवेंद्र जैन, कोलारस विधायक श्री महेन्द्र सिंह यादव, पूर्व विधायक श्री प्रहलाद भारती, जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री रवींद्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़, जिला पंचायत सीईओ श्री हिमांशु जैन भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनहानि, पशुहानि अथवा फसल क्षति जैसी हर स्थिति में सरकार पीड़ितों के साथ है। प्रभावित परिवार को राहत राशि सीधे उनके खाते में प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे बाढ़ प्रभावितों के दुख-दर्द जानने आए हैं। सरकार हर हाल में प्रभावित परिवारों के साथ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का पहला कर्तव्य हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अतिवर्षा से उत्पन्न परिस्थितियाँ हमारे लिए परीक्षा की घड़ी हैं। जनता के सहयोग और प्रशासन के समर्पण से स्थिति पर नियंत्रण पाया गया है। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में राहत कार्य निरंतर जारी रहेंगे। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत कार्यों की लगातार समीक्षा की जा रही है। शासन-प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ राहत कार्यों में लगा है। उन्होंने बाढ़ प्रभावितों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि चिंता न करें, दुख की घड़ी में सरकार आपके साथ है।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि हम सुख-दुख के हर क्षण प्रभावितों के साथ हैं। संकट की घड़ी में हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार औसत वर्षा से कहीं अधिक वर्षा हुई है, जिसके कारण सिंध नदी में उफान आया और पचावली सहित 32 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए।

## अमेरिका से मुंबई आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट में कॉकरोच से हड़कंप, एअरलाइन ने दी सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में उस समय हड़कंप मच गया, जब फ्लाइट में अचानक कॉकरोच निकल आए। फ्लाइट में सफर कर रहे 2 यात्रियों ने कॉकरोच देखा, जिसके बाद उन्हें दूसरी सीट पर शिफ्ट किया गया।

एअर इंडिया की फ्लाइट AI180 सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए मुंबई जा रही थी। फ्लाइट मुंबई नहीं पहुंची थी, तभी 2 पैसेंजर्स की नजर फ्लाइट में मौजूद कॉकरोचों पर पड़ी। उन्होंने फौरन केबिन क्रू को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद उन्हें दूसरी सीट पर बैठाया गया, जिससे उन्हें यात्रा में तकलीफ न हो। एअर इंडिया ने दी सफाई

एअर इंडिया ने बयान जारी करते हुए इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। कोलकाता में ईंधन भरने के दौरान फ्लाइट की सफाई की गई। पैसेंजर्स को उसी केबिन में दूसरी सीट पर बिठाया गया, जिससे उन्हें तकलीफ न हो।

एअर इंडिया के अनुसार, कोलकाता में ईंधन भरने के लिए जब फ्लाइट रुकी, तो ग्राउंड क्रू ने फ्लाइट की डीप क्लीनिंग की। फ्लाइट अपने तय समय पर मुंबई के लिए रवाना हो गई।

## हेलमेट पहने स्कूटी से आया और..., दिल्ली में चेन स्नैचिंग के बाद महिला सांसद का छलका दर्द, शाह को सुनाई आपबीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के चलते राजधानी दिल्ली में सांसदों का जमावड़ा लगा है। दक्षिणी दिल्ली में मौजूद चाणक्यपुरी को राजधानी का हाई सिक्योरिटी जोन कहा जाता है। मगर, आज सुबह इसी जगह पर मॉर्निंग वॉक करते हुए तमिलनाडु की महिला सांसद चेन स्नैचिंग का शिकार हो गई। एक शख्स ने दिनदहाड़े उनके गले से चेन खींची और मौके से फरार हो गया।

दिल्ली में चेन झपटमारी का शिकार हुई लोकसभा सांसद आर. सुधा तमिलनाडु के मयिलादुथुराई सीट का प्रतिनिधित्व करती हैं। वहीं, अब उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखकर अपनी आपबीती सुनाई है।

गृह मंत्री से क्या बोलीं महिला सांसद- आर.सुधा ने गृह मंत्री को लिखे खत में कहा, ÷कई सांसदों को अभी तक आवास नहीं मिला है और मैं भी उन्हीं में से एक हूं। मैं तमिलनाडु भवन में रुकी हूं और रोज सुबह मॉर्निंग वॉक करने जाती हूं।

## हाईकोर्ट छुट्टी पर है क्या..., राज ठाकरे के खिलाफ याचिका की सुनवाई के दौरान क्यों नाराज हो गया SC

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे पर नफरत भरे भाषण और उत्तर भारतीयों के खिलाफ हिंसा भड़काने के आरोपों वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता को बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख करने को कहा। उत्तर भारतीय विकास सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील शुक्ला ने यह याचिका दायर की थी। इस याचिका में उन्होंने राज ठाकरे और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर गंभीर आरोप लगाए थे।

चीफ जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने शुक्ला के वकील से सवाल किया कि आखिर उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट में क्यों नहीं अपील की। चीफ जस्टिस ने पूछा, ÷क्या बॉम्बे हाई कोर्ट छुट्टी पर है?÷ इस सवाल के बाद शुक्ला के वकील ने याचिका वापस लेने का फैसला किया।

वापस ले ली याचिका

बेंच ने याचिका के गुण-दोष पर कोई राय दिए बगैर शुक्ला को याचिका वापस लेने और बॉम्बे हाई कोर्ट में जाने के लिए कहा।

शुक्ला ने अपनी याचिका में दावा किया कि महाराष्ट्र सरकार और पुलिस ने उनकी बार-बार की शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की, जिसमें उन्होंने एमएनएस कार्यकर्ताओं पर हिंसा, धमकी और उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

शुक्ला का कहना है कि उत्तर भारतीयों के हक की वकालत करने की वजह से उन्हें एमएनएस और उससे जुड़े गुटों की ओर से धमकियां, उत्पीड़न और शारीरिक हमलों का सामना करना पड़ा।

## ये बेहद अपमानजनक..., ट्रंप के डेड इकोनॉमी वाले बयान पर बिफरे शशि थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को डेड इकोनॉमी करार दिया था। ट्रंप की इस टिप्पणी के बाद देश में सियासी हलचल बढ़ गई थी। विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरना शुरू कर दिया। हालांकि, कांग्रेस सांसद ने इससे इतर कहा कि भारत डेड इकोनॉमी नहीं है।

इस बीच एक बार फिर से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ट्रंप की टिप्पणी पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि जब कुछ सबसे बड़ी शक्तियों की सक्रिय भागीदारी से युद्ध लड़े जा रहे हैं और जिन लोगों से विश्व व्यवस्था को कायम रखने की अपेक्षा की जाती है, वे अव्यवस्था को बढ़ावा देने में योगदान दे रहे हैं। इस स्थिति में भारत को अपने राष्ट्रीय हितों के बार में बहुत स्पष्ट होने की आवश्यकता है।

जानिए और क्या बोले शशि थरूर- दरअसल, पुणे में एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी नई पुस्तक द लिविंग कॉन्स्टिट्यूशन के अलावा कई मुद्दों पर चर्चा की। थरूर ने ट्रंप के डेड इकोनॉमी वाले फैसले पर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की बातों को शाब्दिक रूप से नहीं, गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

थरूर ने कहा कि ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति हैं उनके फैसले नीतियों को प्रभावित कर सकते हैं और नीतियां हमें प्रभावित कर सकती हैं। इस स्थिति में ट्रंप को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

## पिता ने पेड़ से लटकर किया सुसाइड

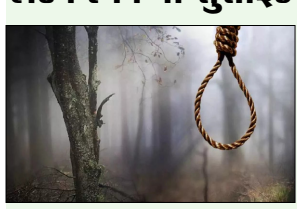

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पथानामथिट्टा के जंगल में एक शख्स ने अपनी जान दे दी, जिसकी वजह थी पैसे की तंगी। मृतक शख्स अपने बेटे का दाखिला इंजीनियरिंग कॉलेज में करवाना चाहता था, लेकिन इसके लिए उसके पास पैसे नहीं थे। ऐसे में उसने मौत को गले लगाना मुनासिब समझा और जंगल में फांसी लगा ली। मृतक की पहचान वीटी शिजो के रूप में हुई है। शिजो का शव रविवार की देर शाम मूंगामपारा के एक जंगल में पेड़ से लटकता मिला। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

## पीएम मोदी के साथ एक अच्छा संबंध लेकिन..., रूस से तेल खरीद पर ट्रंप के सलाहकार ने भारत के लिए क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों में भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया। ट्रंप के इस एकतरफा फैसले के बाद दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों में तनाव देखने को मिल रहा है। इस बीच ट्रंप के शीर्ष सलाहकार स्टीफन मिलर ने रविवार को एक हैरान करनी बात कह डाली।

दरअसल, उन्होंने एक साक्षात्कार के दौरान एक बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि भारत रूसे से तेल खरीदने के जरिए यूक्रेन युद्ध को अप्रत्यक्ष तौर से फंडिंग कर रहा है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि डोनाल्ड ट्रंप को ये स्वीकार्य नहीं है। हालांकि, भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि रूस के साथ तेल खरीदना जारी रखा जाएगा। रूस से तेल खरीदना बंद करे भारत

जानकारी दें कि स्टीफन मिलर ट्रंप प्रशासन में व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ हैं। फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम द संडे मॉर्निंग में दिए एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि भारत रूस से तेल ना खरीदे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भारत यूक्रेन जंग को इंडायरेक्टली फाइनेंस कर रहा है।

उन्होंने आगे करा कि लोगों को जानकर हैरानी होगी कि इस तथ्य पर भारत चीन के साथ है। यह दोनों देश गठजोड़ बनाकर रूस से भारी मात्रा में तेल खरीद रहे हैं। इससे रूस को यूक्रेन के खिलाफ जंग में आर्थिक मदद मिल रही है।

रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा भारत- हाल के दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि भारत को रूस से तेल खरीदना बंद करना चाहिए। इस पूरे मामले में भारत की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया तो सामने नहीं आई है। वाशिंगटन में स्थित भारतीय दूतावास की ओर से भी इस संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, कुछ सूत्रों ने दावा किया है कि अमेरिका के दबाव के बावजूद भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा।

# रूस ने बनाया दुनिया का पहला एंटी ड्रोन मिसाइल सिम्युलेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा के क्षेत्र में रूस ने एक और बड़ा कीर्तिमान हासिल कर लिया है। रूस के दक्षिणी संघीय विश्वविद्यालय (स्न्न) के छात्रों ने दुनिया का पहला प्रशिक्षण प्लेटफॉर्म सिम्युलेटर तैयार किया है, जो एंटी ड्रोन राइफल्स और ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम के साथ काम करने में मदद करेगा।

अब सवाल यह है कि आखिर यह सिम्युलेटर प्लेटफॉर्म है क्या? दरअसल यह एक वर्चुअल युद्ध का परिदृश्य तैयार करता है, जिसका वातावरण युद्ध जैसा ही लगता है। यह ड्रोन के प्रशिक्षण में काफी काम आता है।

कैसे करेगा काम- ड्रोन की नई तकनीकी को समझने और युद्ध में ड्रोन के बेहतर इस्तेमाल के लिए इस तरह का प्रशिक्षण दिया जाता है। उदाहरण के लिए एंट्री ड्रोन गन, डिटेक्टर और ड्रोन्स को युद्ध में कैसे इस्तेमाल करना है? यह सबकुछ इस सिम्युलेटर प्लेटफॉर्म की मदद से सीखा जा सकता है।

युद्ध का बेहतर प्रशिक्षण- बेशक यह सिम्युलेटर युद्ध की वर्चुअल दुनिया बनाता है, लेकिन यह दिखने में काफी हद तक असली युद्ध जैसा ही लगता है। इसे बनाने के लिए गेम इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसका मकसद ट्रेनिंग को जितना मुमकिन हो सके उतना रियल बनाना है, जिससे असली युद्ध में इन तकनीकों का सटीक इस्तेमाल किया जा सके।

क्या होगा फायदा- इस प्रोग्राम की मदद से सैनिकों में युद्ध के वास्तविक कौशल का विकास होता है।

एंटी ड्रोन राइफल का सही तरह से इस्तेमाल किया जा सकेगा।

युद्ध में डिटेक्टर्स को बेहतर तरीके से ऑपरेट किया जा सकेगा।

युद्ध के तनाव युक्त माहौल में जल्दी और सही फैसला लेने की क्षमता का विकास होगा।

प्रशिक्षण के बाद होगा टेस्ट- इस प्रणाली का सिर्फ प्रैक्टिकल ही नहीं बल्कि थ्योरी वाला हिस्सा भी है, जिसका टेस्ट भी करवाया जाएगा। इस दौरान सैनिकों को वीडियो और वास्तविक युद्ध का प्रशिक्षण देते हुए सिखाया जाएगा कि कम समय में सही फैसला कैसे लेना है।

# लंदन की सड़कों पर पान के निशान से लोग परेशान, सड़क और डस्टबिन पर लाल धब्बे का वीडियो वायरल



नई दिल्ली (एजेंसी)। पान या गुटखा खाकर थूकना भारतीयों के लिए आम बात है। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें सड़कों पर लाल निशान बने हुए हैं। हैरानी की बात तो यह है कि वीडियो दिखने वाली जगह भारत का कोई खूबसूरत शहर नहीं बल्कि ब्रिटेन की राजधानी लंदन है।

लंदन की गलियों में तंबाकू और पान खाकर थूकने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो लंदन के रॉयनर्स लेन से नॉर्थ हैरो तक का है।

सड़क-डस्टबिन पर दिखे धब्बे - वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि डस्टबीन समेत सड़कों पर थूकने के लाल निशान बने हैं। रॉयनर्स लेन में रहने वाले लोगों का दावा है कि यह दाग दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। खासकर पान और तंबाकू बेचने वाली दुकानों के आसपास ऐसे निशान अधिक देखने को मिलते हैं।

पान की दुकान के खिलाफ याचिका दायर हैरो ऑनलाइन के अनुसार, लोगों ने नॉर्थ हैरो में मौजूद पान की एक दुकान के खिलाफ याचिका भी दायर की है। उन्होंने दुकान पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इससे इलाके में पान और तंबाकू खाने वालों की संख्या में इजाफा होगा, जिससे गलियां ऐसे ही लाल निशानों से पट जाएंगी।

यूजर्स ने दिए रिएक्शन- सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे लंदन के इस वीडियो पर कई यूजर्स भी रिएक्शन दे रहे हैं। एक शख्स ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, गुजराती, पंजाबी और गोवा के लोग च के लिए खतरा बन गए हैं।

## क्या इंसानों की जगह ले सकता है AI? बिल गेट्स ने दिया जवाब

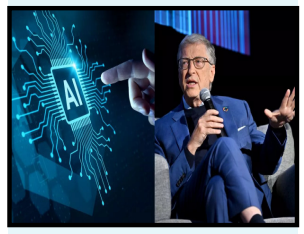




नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लोगों की रोजमर्रा जिंदगी को आसान बना रहा है। वहीं, दूसरी इस बात की चर्चा हो रही है कि क्या एआई की वजह से लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ेगा। क्या कंपनियां इंसानों की जगह एआई से काम कराना ज्यादा पसंद करेगी? इसी बीच माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने एआई को लेकर एक बड़ा बयान दिया है।

कोडिंग जैसे जटिल काम नहीं कर सकता AI- उन्होंने कहा कि एआई फिलहाल सरल कार्यों में इंसानों की जगह ले सकता है लेकिन एआई जटिल काम जैसे कोडिंग को संभालने में सक्षम नहीं है। CNN के एंकर फरीद जकारिया के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि लोग कोड लिखने की बात करते हैं। सरल कोडिंग कार्यों में, एआई आज मानवीय कार्यों की जगह ले सकता है। हालांकि, एआई अब तक सबसे जटिल कोडिंग कार्य नहीं कर पाया है। उन्होंने आगे कहा कि एआई जिस स्पीड से आगे बढ़ रहा है, यह मुझे हैरान कर रहा है। मैं एआई से कई जटिल सवाल पूछता हूं और देखता हूं कि यह बहुत अच्छा काम कर रहा है।

## ट्रंप की टिप्पणी को रूस ने नहीं दी तवज्जो, परमाणु पनडुब्बी के आदेश पर जानिए क्या बोला क्रेमलिन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में परमाणु पनडुब्बी तैनात करने का आदेश दिया था। इसको लेकर रूस की ओर से खास प्रतिक्रिया आई है। क्रेमलिन ने सोमवार (04 अगस्त, 2025) को कहा कि सभी को परमाणु संबंधी बयानबाजी से सावधान रहना चाहिए।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने ट्रंप की टिप्पणी के महत्व को कम आंकते हुए कहा कि यह स्पष्ट है अमेरिकी पनडुब्बियां पहले से ही युद्ध ड्यूटी पर हैं। उन्होंने आगे कहा कि मॉस्को इस मुद्दे पर ट्रंप के साथ बहस में नहीं पड़ना चाहता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा था- अमेरिका के राष्ट्रपति ने शुक्रवार को कहा था कि उन्होंने रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेव की परमाणु-सशस्त्र शत्रुओं के बीच युद्ध के जोखिम वाली टिप्पणी के जवाब में उचित जगहों पर दो परमाणु पनडुब्बियां को तैनात करने का आदेश दिया है।

## गोल्फ कोर्स में बैठे थे डोनाल्ड ट्रंप, अचानक प्लेन ने कर दी घुसपैठ; सुरक्षा में सेंध के बाद अधिकारियों के फूले हाथ-पांव




नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में सेंध का मामला सामने आया है। रविवार को एक सिविलियन विमान ट्रंप के न्यू जर्सी स्थित गोल्फ क्लब के ऊपर प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में घुस गया।

फॉक्स न्यूज की खबर के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब 12-50 बजे हुआ, जब एक पायलट ने बेडमिंस्टर में ट्रंप नेशनल गोल्फ क्लब के ऊपर लगाए गए अस्थायी उड़ान प्रतिबंध (ञ्जस्नक्र) को तोड़ दिया और घुसपैठ कर दी।

इसके बाद नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने तुरंत हरकत में आते हुए फाइटर जेट्स को गोल्फ कोर्स की ओर रवाना किया। इन जहाजों ने चेतावनी के लिए फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया और घुसपैठिए प्लेन को प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर निकाला।

दिन में दूसरी बार टूटी हवाई सीमा- यह घुसपैठ रविवार को दूसरी बार हुआ। गौरतलब है कि पूरे सप्ताह में प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में पांच बार अनधिकृत घुसपैठ हुई है।

ये प्लेन तब उस जोन में घुसा जब ट्रंप उस वक्त अपने गोल्फ क्लब में मौजूद थे, जैसा कि उनके सार्वजनिक शेड्यूल में दर्ज था। वह रविवार शाम को व्हाइट हाउस लौटने वाले थे। इस घटना पर व्हाइट हाउस की ओर से अभी कोई बयान नहीं आया है। ट्रंप के जनवरी में दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की घटनाएं बढ़ गई हैं। जुलाई में, हह्न्रष्ठ ने एक ही दिन में बेडमिंस्टर के ऊपर पांच अलग-अलग विमानों को रोका था। मार्च में भी फ्लोरिडा के मार-ए-लागो, जो ट्रंप का लग्जरी रिसॉर्ट और निवास है, के पास ऐसा ही वाकया हुआ था।

# दिग्गज कंपनी बोइंग में काम ठप, हड़ताल पर चले गए फाइटर जेट्स बनाने वाले कर्मचारी




नई दिल्ली (एजेंसी)। एविएशन दुनिया की दिग्गज कंपनी बोइंग से जुड़ी एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। दरअसल, बोइंग डिफेंस के करीब 3000 से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। यही अमेरिकी कंपनी एफ-35 और अन्य कई मिलिट्री विमान बनाती है।

जानकारी के अनुसार, ये कर्मचारी वेतन, वर्क शेड्यूल और पेंशन से जुड़े ऑफर को लेकर खुश नहीं थे। इसी बात का विरोध जताने के लिए कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। हालांकि, कंपनी की ओर से दावा किया जा रहा है कि इससे कंपनी पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा।

3200 कर्मचारी हड़ताल पर उतरे- वहीं, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स यूनियन ने रविवार को बताया कि सेंट लुइस, सेंट चार्ल्स, मिसौरी और मस्काउटा, इलिनोइस स्थित बोइंग संयंत्रों के लगभग 3,200 कर्मचारियों ने बोइंग के साथ संशोधित चार-वर्षीय श्रम समझौते को अस्वीकार करने के लिए मतदान किया।

इसके अलावा एक पोस्ट में कहा कि बोइंग में 3,200 उच्च-कुशल आईएएम यूनियन सदस्य आधी रात को हड़ताल पर चले गए क्योंकि अब बहुत हो गया।

क्या है पूरा मामला- कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर बोइंग की एअर डोमिनेंस यूनिट के वाइस प्रेसिडेंट डैन गिलियन ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने सैलरी में 40 प्रतिशत औसत बढ़ोतरी का ऑफर दिया था।

# पाकिस्तान में बाढ़ ने मचाया तांडव, अब तक 299 लोगों की मौत; सैकड़ों लोग हुए बेघर



नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के कई हिस्सों में इस समय बाढ़ का कहर देखने को मिल रहा है। पड़ोसी मुल्क में जून के अंत से लेकर अभी तक बाढ़ के कारण 299 लोगों की जान गई। इसके अलावा 700 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में 140 बच्चे शामिल हैं।

पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने इस बात की जानकारी दी है। एनडीएमए ने कहा कि 26 जून से शुरू हुई बाढ़ ने पूरे देश में तबाही का मंजर छोड़ दिया है।

बाढ़ ने मचाई भीषण तबाही- पाकिस्तान समाचार पत्र द डॉन के अनुसार, पाकिस्तान के कई हिस्से इस समय बाढ़ की त्रासदी झेल रहे हैं। सरकारी जानकारी के मुबाबिक, भीषण मौसम ने 1,676 घरों को भी नुकसान पहुंचाया है। इसमें 562 पूरी तरह से नष्ट हो गए और 1,114 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। बाढ़ के कारण 400 से अधिक पशुओं की भी जान गई है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलाए गए 223 बचाव अभियान- रिपोर्ट्स के अनुसार, एनडीएमए ने पुष्टि की है कि उसने 223 बचाव अभियान चलाए हैं और बाढ़ प्रभावित इलाकों से 2,880 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला है। बताया जा रहा है कि राहत कार्यों में 13,400 से ज्यादा जरूरी वस्तुओं का वितरण शामिल है, जिनमें 2,000 टेंट, 958 कंबल, 569 रजाईयां, 613 गद्दे और 1,100 से ज्यादा खाने के पैकेट शामिल हैं।

# पूरा खोल दिया पाशा!, भारत की जीत से गदगद ओवैसी; सिराज की तारीफ में क्या-क्या कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट मैच में भारत ने रोमांचक जीत दर्ज की है। इस मैच में हैदराबाद से ताल्लुक रखने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने पांच विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।

सिराज का परफोर्मेंस देखकर हैदराबाद से सांसद और AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भारतीय तेज गेंदबाज को खास हैदराबादी अंदाज में बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, पूरा खोल दिया पाशा!÷ यानी सिराज ने पूरी ताकत झोंक दी और कमाल का प्रदर्शन किया।

ओवैसी का पोस्ट- असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मोहम्मद सिराज को टैग करते हुए लिखा, ÷हमेशा विजेता की तरह ही हो मोहम्मद सिराज! जैसा कि हम हैदराबादी में कहते हैं, पूरा खोल दिए पाशा!

इससे पहले भी ओवैसी सिराज की तारीफ करते रहे हैं। वह कई मौकों पर सिराज को मेहनती और देश का गर्व बता चुके हैं। भारत की इस जीत से सभी देशवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

सिराज का प्रदर्शन- मोहम्मद सिराज ने इस पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में कुल 23 विकेट लिए हैं और आखिरी टेस्ट मैच में मैन ऑफ द मैच बने।

ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में उन्होंने पांच विकेट चटकाए, जिसमें से तीन विकेट आखिरी दिन लिए गए।

सिराज की दमदार गेंदबाजी की वजह से भारत ने इंग्लैंड को 6 रनों से हराया और सीरीज को 2-2 की बराबरी पर खत्म किया।

नए कप्तान के रूप में उभरे गिल- यह सीरीज भारत के लिए इसलिए भी खास थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद एक नई टीम बनाई गई थी।

# शिबू सोरेन के निधन के बाद कांग्रेस का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन का सोमवार सुबह निधन हो गया। वे पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे। आज सुबह उन्होंने 81 साल की उम्र में आखिरी सांस ली।

झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन के निधन के बाद तीन दिनों के राजकीय शोक का घोषित किया गया है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन के मद्देनजर कांग्रेस ने चुनाव आयोग की गंभीर गड़बड़ियों को उजागर करने के लिए अपनी विरोध रैली को 8 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया है।

पांच अगस्त को होना था कार्यक्रम- कांग्रेस ने ये कार्यक्रम पहले पांच अगस्त के लिए निर्धारित किया था। हालांकि, इस दुखद घटना के बाद इस कार्यक्रम को 8 अगस्त तक के लिए टाल दिया गया है। बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी सांसद राहुल गांधी कल शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रांची जा रहे हैं।

सुरजेवाला ने दी जानकारी- बता दें कि एक प्रेस कॉनफ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि कल अंतिम संस्कार है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देने के लिए कल झारखंड जाएँगे।

# शिक्षा ही तोड़ेगी सनातन और तानीशाही की जंजीरें..., कामल हासन के विवादित बोल पर मचा बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर अभिनेता और मक्कल निधि मय्यम के संस्थापक कमल हासन ने चेन्नई में अग्रम फाउंडेशन के एक इवेंट में विवादित बयान दे दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह हथियार है जो न सिर्फ तानाशाही बल्कि सनातन के जंजीरों को भी तोड़ सकता है। राज्यसभा सांसद कमल हासन ने इस मौके पर नौजवानों को शिक्षा की ताकत को अपनाने की नसीहत दी है। लेकिन ऐसा करते हुए वो सनातन के खिलाफ बोलने लग गए।

शिक्षा की ताकत कभी हार नहीं मानती- उन्होंने कहा, कुछ और हाथ में न लें, सिर्फ शिक्षा को थामें। इसके बिना जीत मुमकिन नहीं, क्योंकि बहुमत आपको हरा सकता है। नादान लोग आपको नीचे ला सकते हैं, लेकिन शिक्षा की ताकत कभी हार नहीं मानती। इसलिए हमें शिक्षा को मजबूती से पकड़ना होगा।

कमल हासन ने अग्रम फाउंडेशन के काम को सराहा और कहा कि सच्ची शिक्षा और बेगैर शर्त मोहब्बत आजकल कम ही मिलती है। हमारी मांओं के अलावा, अग्रम फाउंडेशन जैसी जगहें ही हैं जहां यह दोनों चीजें मिल सकती हैं। कमल हासन ने शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली रुकावटों का जिक्र किया और नीट के लागू होने को एक बड़ी बाधा बताया। उन्होंने कहा कि 2017 से नीट के कारण कई होनहार स्टूडेंट के मौके छिन गए हैं।

# राहुल गांधी के किन-किन बयानों पर कब-कब मचा बवाल? अदालत भी पहुंचे मामले; सुप्रीम कोर्ट ने लगाई लताड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सेना पर टिप्पणी करने के मामले में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- आपको कैसे पता चला कि चीन ने भारत की जमीन हड़प ली? आपकी जानकारी का विश्वसनीय स्रोत क्या?

राहुल गांधी को अपने किसी बयान चलते कोर्ट पहुंचने का यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी कई बयानों को लेकर कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगा चुके हैं। एक मामले में तो सजा भी सुनाई गई, जिसके बाद लोकसभा की सदस्यता भी गंवानी पड़ी थी।

राहुल गांधी को वो कौन-सा बयान है और कब दिया था, जिस पर आज सुप्रीम कोर्ट में फटकारा गया है? राहुल ने 2014 से लेकर अब तक ऐसे-ऐसे कौन-कौन-से बयान दिए, जिनके चलते कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़े, उन बयानों पर सरकार ने क?या जवाब दिया? राहुल गांधी के बयानों पर दुश्मन देश कैसे एजेंडा चलाते हैं?

राहुल गांधी का वो बयान, जिस मिली स्ट से फटकार- राहुल गांधी ने 25 अगस्त, 20222 को कारगिल में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान एक रैली को संबोधित किया था। गलवान में चीनी सेना से हुई हिंसक झड़प जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने रैली में दावा किया था- लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में क्या-क्या पूछेंगे, लेकिन चीनी सैनिकों ने हमारे सैनिकों की पिटाई की, इस पर एक भी सवाल नहीं पूछेंगे? चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है।

बता दें कि साल 2020 में चीन ने पूर्वी लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में एक्सरसाइज के बहाने भारी संख?या में सैनिक तैनात कर दिए थे। इसके बाद सीमा पर कई जगह घुसपैठ की घटनाएं हुईं। जवाब में भारत सरकार ने भी इस एरिया में चीन के बराबर संख्या में ही सैनिक तैनात कर दिए थे। हालत बिगड़ते गए। आखिर में 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ झड़प हुई, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए और 40 चीनी सैनिक मारे गए।

# पुणे में 3 महिलाओं ने पुलिस पर लगाया मारपीट और जातिगत टिप्पणी करने का आरोप, शरद पवार की पार्टी ने की न्याय की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में रहने वाली तीन महिलाओं ने आरोप लगाया है कि एक मामले की जांच के दौरान पुलिसकर्मियों ने उनका शारीरिक उत्पीड़न किया और जातिवादी टिप्पणियां भी कीं। इन आरोपों के बाद मामले को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है और विपक्षी दलों ने पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

दरअसल, पुलिस छत्रपति संभाजीनगर से लापता हुई एक महिला के मामले की जांच कर रही है। आरोप है कि इसी दौरान पुलिसकर्मी तीन महिलाओं के किराए के मकान में घुस गए और बिना वारंट के घर की तलाशी लेनी शुरू कर दी। साथ ही महिलाओं को प्रताड़ित किया और जातिवादी टिप्पणियां कीं।

इन राजनीतिक दलों ने की पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग- आरोपों के बाद वंचित बहुजन अघाड़ी और शरद पवार की एनसीपी समेत कई राजनीतिक दलों ने कोथरुड पुलिस स्टेशन से संबंधित अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एनसीपी विधायक रोहित पवार तीनों महिलाओं और कुछ कार्यकर्ताओं के साथ रविवार रात पुणे पुलिस कमिश्नरेट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानन व्यवस्था) रंजन कुमार शर्मा से मुलाकात की और पुलिसकर्मियों के खिलाफ एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की मांग की।

पुलिस ने किया दावों का खंडन- हालाँकि, पुणे पुलिस ने तीनों महिलाओं की ओर से किए गए दावों का खंडन किया है। कोथरुड पुलिस स्टेशन की ओर से महिलाओं को जारी एक पत्र में कहा गया है, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं। इसलिए, अत्याचार अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला नहीं बनाया जा सकता।

# मेरे मुंह और नाक से खून..., श्रीनगर एयरपोर्ट पर आर्मी ऑफिसर का बवाल, होश में आए स्टाफ ने बताया मारपीट का खौफनाक मंजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीनगर एयरपोर्ट पर 26 जुलाई को सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पाइसजेट एयरलाइन के चार कर्मचारियों के साथ बुरी तरह से मारपीट की थी। इस हमले में सबसे बुरी तरह से घायल हुए कर्मचारी मुदसिस्र अहमद खान ने कहा कि उन्हें सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करने की सजा मिली।

घायल कर्मचारी ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल सिंह दो बैग लेकर आए थे जिनका कुल वजन 16 किलो था। जबकि, नियमों के अनुसार सिर्फ 7 किलो का बैग ही कैबिन में ले जाया जा सकता है।

घायल कर्मचारी का बयान- मुदस्सिर ने बताया कि जब मैंने नियम के अनुसार उन्हें रोका और बैग तोलने को कहा तो वो भड़क गए। घायल कर्मचारी ने बताया कि जब मैंने विनम्रता से अतिरिक्त बैग का चार्ज देने को कहा तो वे गुस्से में आ गए और फिर मारपीट शुरू कर दी।

मुदस्सिर ने कहा, ÷उसने मुझे बैग से मारा, घूंसे मारे और थप्पड़ मारे जब तक मेरे मुंह और नाक से खून नहीं बहने लगा। मैं बेहोश हो गया और बाद में वीडियो में देखा कि वह किसी को मुझे उठाने भी नहीं दे रहा था।

मुदस्सिर को हुआ स्पाइनल फ्रैक्चर- घायल कर्मचारी स्पाइनल फ्रैक्चर की वजह से बिस्तर पर है। उसने मांग की है कि आरोपी अफसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, ताकि आगे ऐसे हमले दोबारा न हो।

इस घटना का पूरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, जिसमें देखा जा सकता है कि आर्मी अफसर स्पाइसजेट के स्टाफ को आयरन स्टैंड से भी मार रहा है। एयरलाइन ने बयान जारी कर बताया कि एक स्टाफ को रीढ़ की हड्डी में चोट आई है, जबकि एक का जबड़ा टूट गया। स्पाइसजेट ने इसे हत्या जैसा हमला बताया है।

सेना का बयान- सेना की ओर से कहा गया कि मामले की जानकारी उन्हें मिल चुकी है और जांच में पूरी सहयोग देंगे। पुलिस ने लेफ्टिनेंट कर्नल सिंह पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (जानबूझकर चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com
jagrayam.com
online news magazine

# हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण


मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

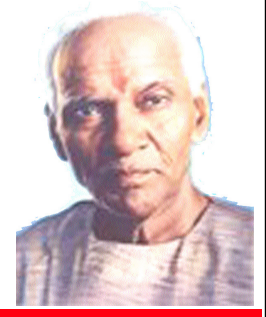

विक्रम संवत 2079 शुक्ल एकादशी

## संपादकीय

# भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों के लिए झूलन यात्रा अर्थात झूलनोत्सव एक अति आनंदमय अवसर होता है

भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों के लिए झूलन यात्रा अर्थात झूलनोत्सव एक अति आनंदमय अवसर होता है जब भक्तगण श्रावण शुक्ल एकादशी से लेकर श्रावण पूर्णिमा तक प्रतिदिन सुनहरे झूलों पर राधा-कृष्ण की झूला-लीला का आयोजन करते हैं जो इस वर्ष 5 अगस्त से लेकर 9 अगस्त तक चलेगा।

झूलनोत्सव के अवसर पर वातावरण अत्यंत सुहावना होता है। सावन के महीने में मनाये जानेवाले इस पर्व के दौरान प्रकृति रानी भी मानों सोलहों श्रृंगार के साथ निखर उठती है जब आकाश में मानसून के बादल उमड़ पड़ते हैं और भीषण गर्मी के बाद वर्षा होने से जनमानस के हृदय में प्रफुल्लता का संचार हो जाता है। इस दौरान श्रीकृष्ण का विशेष धाम ब्रजभूमि अत्यंत मनोरम व उत्सवमय हो उठता है। देश-दुनिया भर के हजारों भक्तगण राधा-कृष्ण के इस दिव्य युगल को झूला झुलाकर उनकी सेवा करने का अवसर-आनंद पाने के लिए यहां के मंदिरों में एकत्रित होते हैं। ऐसी मान्यता है कि वृंदावन ही वह पवित्र स्थली है जहां प्रभु श्रीकृष्ण ने पांच हजार वर्ष पूर्व अपने बाल्यकाल के सबसे प्रेममय अध्याय और युवावस्था के रास-रस से सराबोर वर्ष बिताए थे। ब्रजभूमि के भव्य मंदिर महा-उत्सव की चहल-पहल से गुंजायमान हो उठते है। इस दौरान श्रीराधा-कृष्ण के बाल लीलाओं के वृंदावन में गोप-गोपियों के साथ उनके झूला झूलने का पावन स्मरण किया जाता है। पांच दिनों तक मनाये जानेवाले इस पर्व के दौरान श्रीकृष्ण की लीला-स्थली वृंदावन सहित देश की हर ठाकुरबाड़ियों की रौनक निखर उठती है और पूरा माहौल उत्सवमय हो उठता है। झूलनोत्सव में श्रीराधा-कृष्ण की लीला भूमि वृंदावन और देश की अन्य ठाकुरबाड़ियों के साथ अंगभूमि के नाम से विख्यात भागलपुर में भी पर्व की विशेष चहल-पहल शुरू हो जाती है। खास बात यह है कि इस प्राचीन नगरी के हर गली-मुहल्लों में राधा-कृष्ण के भव्य मंदिर हैं जहां झूलन की चहल-पहल शुरू होती है। मंदिरों और ठाकुरबाड़ियों के रंग-रोगन कराये जाते हैं तथा रंगीन बल्बों, फूलों आदि से विशेष साज-सज्जा की जाती है।

भागलपुर नगर की ठाकुरबाड़ियों की बात करें तो यहां के प्रमुख धार्मिक स्थल बाबा बूढ़ानाथ स्थित राधा-कृष्ण मंदिर की विशेष साज-सज्जा के साथ झूलन के दौरान उन्हें प्रतिदिन मेवा-मिष्ठान सहित अंतिम दिन छप्पन भोग चढ़ाये जाते हैं, वहीं अलीगंज स्थित राधा-कृष्ण ठाकुरबाड़ी में भगवान को नये वस्त्रों से आवेष्टित किया जाता है, भजन-कीर्तन के आयोजन होते हैं और अंतिम दिन छप्पन भोग लगाया जाता है।अनंतराम मारवाड़ी टोला में अन्य ठाकुरबाड़ियों की तरह पारंपरिक अनुष्ठान के साथ श्रीकृष्ण लीला पर आधारित कीर्तन की प्रस्तुति के साथ अंतिम दिन रंग-बिरंगे फूलों से साज-सज्जा की जाती है, वहीं गोशाला स्थित महादेव मंदिर में झूले पर विराजमान राधा-कृष्ण की आराधना में शंखनाद और घंटियों के बीच राधे-राधे के स्वर गूंजते हैं व अंतिम दिन बर्फ तथा फूलों से श्रृंगार किया जाता है। कोतवाली स्थित कूपेश्वर नाथ महादेव तथा वैरायटी चौक स्थित मंदिरों में राधा-कृष्ण के विग्रह को रेशमी वस्त्रों, आभूषणों व फूलों से सजाया जाता है जिसमें श्रद्धालु महिलाएं पारंपरिक गीत गाते हुए भक्तिभाव से भाग लेती हैं।

प्राचीन अंग देश की राजधानी रहे नाथनगर व चम्पानगर के साथ नाथनगर रेलवे स्टेशन के आगे स्थित गग्गरा पुष्करिणी सरोवर, जहां कभी भगवान बुद्ध ने अवस्थान किया था, में स्थित कई पुरातन ठाकुरबाड़ियों में भी झूलनोत्सव के दौरान पूजन-अनुष्ठान होते हैं। नगर के मध्य में स्थित मुंदीचक मुहल्ले के पांचों राधा-कृष्ण मंदिरों में भी खूब धूमधाम रहती है।

# गोपीनाथ बोरदोलोई

गोपीनाथ बोरदोलोई भारत के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और असम के प्रथम मुख्यमंत्री थे। इन्हें आधुनिक असम का निर्माता भी कहा गया है। इन्होंने राष्ट्रीय आन्दोलन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। 1941 ई. में व्यक्तिगत सत्याग्रह में भाग लेने के कारण इन्हें कारावास जाना पड़ा था। वर्ष 1942 ई. में भारत छोड़ो आन्दोलन में भागीदारी के कारण गोपीनाथ बोरदोलाई को पुनः सज़ा हुई। गोपीनाथ ने असम के विकास के लिए अथक प्रयास किये थे। उन्होंने राज्य के औद्योगीकरण पर विशेष बल दिया और गौहाटी में कई विश्वविद्यालयों की स्थापना करवायी। असम के लिए उन्होंने जो उपयोगी कार्य किए, उनके कारण वहाँ की जनता ने उन्हें 'लोकप्रिय' की उपाधि दी थी। वस्तुतः असम के लिए उन्होंने जो कुछ भी किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

जन्म एवं शिक्षा- गोपीनाथ बोरदोलोई प्रगतिवादी विचारों वाले व्यक्ति थे तथा असम का आधुनिकीकरण करना चाहते थे। गोपीनाथ बोरदोलाई का जन्म 10 जून, 1890 ई. को असम में नौगाँव ज़िले के रोहा नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता का नाम बुद्धेश्वर बोरदोलोई तथा माता का नाम प्रानेश्वरी बोरदोलोई था। इनके ब्राह्मण पूर्वज उत्तर प्रदेश से जाकर असम में बस गए थे। जब ये मात्र 12 साल के ही थे, तभी इनकी माता का देहांत हो गया था। गोपीनाथ ने 1907 में मैट्रिक की परीक्षा और 1909 में इण्टरमीडिएट की परीक्षा गुवाहाटी के कॉटन कॉलेज से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वे कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) चले गए। कलकत्ता में बी.ए. करने के बाद 1914 में उन्होंने एम.ए. परीक्षा उत्तीर्ण की। तीन साल उन्होंने क़ानून की शिक्षा ग्रहण करने के बाद गुवाहाटी लौटने का निश्चय किया।

क्रांतिकारी जीवन में प्रवेश- गुवाहाटी लौटने पर गोपीनाथजी सोनाराम हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक पद पर कार्य करने लगे। 1917 में उन्होंने वकालत शुरू की। यह वह जमाना था, जब राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने देश की आजादी के लिए अहिंसा और असहयोग आन्दोलन प्रारम्भ किया था। अनेक नेताओं ने उस समय गाँधीजी के आदेश के अनुरूप सरकारी नौकरियाँ छोड दी थीं और असहयोग आन्दोलन में कूद पडे थे। गोपीनाथ बोरदोलोई भी बिना किसी हिचक से अपनी चलती हुई वकालत को छोडकर स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। इस समय उनके साथ असम के अन्य नेता भी स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेने लगे। इन नेताओं में प्रमुख थे- नवीनचन्द्र बोरदोलोई, चन्द्रनाथ शर्मा, कुलाधार चलिहा, तरुणराम फूकन आदि। वकालत छोडने के बाद के बाद सबसे पहले गोपीनाथजी ने दक्षिण कामरूप और गोआलपाड़ा ज़िले का पैदल दौरा किया। इस दौरे में तरुणराम फूकन उनके साथ थे। उन्होंने जनता को संदेश दिया कि- वे विदेशी माल का बहिष्कार करें, अंग्रेज़ों के काम में असहयोग करें और विदेशी वस्त्रों के स्थान पर खद्दर धारण करें। विदेशी वस्त्रों की होली के साथ-साथ खद्दर के लिए चरखे और सूत कातें। इसका परिणाम यह हुआ कि गोपीनाथ बोरदोलोई और उनके साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें एक वर्ष कैद की सजा दी गई। उसके बाद से उन्हने अपने आपको पूरी तरह देश के स्वतन्त्रता संग्राम के लिए समर्पित कर दिया।

कांग्रेस सदस्य- 1926 में गोपीनाथ बोरदोलोई ने सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया। उन्होंने कांग्रेस के 41वें अधिवेशन में भाग लेने के बाद जहाँ अपनी लोकप्रियता में वृद्धि की, वहाँ वे सामाजिक जीवन से भी अधिक जुडते गए। 1932 में वे गुवाहाटी के नगरपालिका बोर्ड के अध्यक्ष चुने गए। उस समय असम की स्थिति एक पिछडे प्रदेश की थी। न तो उसका अपना पृथक् उच्च न्यायालय था, न ही कोई विश्वविद्यालय। गोपीनाथजी के प्रयत्नों से यह दोनों बातें सम्भव हो सकीं। 1939 में जब कांग्रेस ने प्रदेश विधान सभाओं के लिए चुनाव में भाग लेने को निश्चय किया तो गोपीनाथ बोरदोलोई असम से कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में विजयी हुए और मुख्यमंत्री बने। उसके बाद से वे पूरी तरह से असम की जनता के लिए समर्पित हो गए। वे शेर-ए-असम ही नहीं थे, भारत-रत्न भी थे।

विश्वविद्यालयों की स्थापना- 1929 ई. में सरकारी विद्यालयों में राजनीतिक गतिविधियों पर रोक के संबंध में सरकार का आदेश निकला, तो गोपीनाथ बोरदोलोई ने ऐसे विद्यालयों के बहिष्कार का आंदोलन चलाया। परंतु वे शिक्षा के महत्त्व को समझते थे। उनके प्रयत्न से गौहाटी में कामरूप अकादमी और बरुआ कॉलेज की स्थापना हुई। आगे चलकर जब उन्होंने प्रशासन का दायित्व संभाला तो गौहाटी विश्वविद्यालय, असम मेडिकल कॉलेज तथा अनेक तकनीकी संस्थाओं की स्थापना में सक्रिय सहयोग दिया।

जेल यात्रा- 1938 ई. में असम में जो पहला लोकप्रिय मंत्रिमंडल बना, उसके मुख्यमंत्री गोपीनाथ बोरदोलोई ही थे। इस बीच उन्होंने असम में अफ़ीम पर प्रतिबंध लगाने का ऐतिहासिक काम किया। विश्वयुद्ध आरंभ होने पर उन्होंने भी इस्तीफ़ा दे दिया और जेल की सज़ा भोगी। युद्ध की समाप्ति के बाद वे दुबारा असम के मुख्यमंत्री बने। स्वतंत्रता के बाद का यह समय नवनिर्माण का काल था।

असम निर्माता- भारत को स्वतन्त्रता देने से पूर्व जिस समय भारत के विभाजन की बात चल रही थी, उस समय असम में गोपीनाथ बोरदोलोई के हाथ में सत्ता थी। ब्रिटिश सरकार की योजना से ऐसा प्रतीत होता था कि असम प्रदेश को कुछ भागों में बाँट कर पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) में सम्मिलित कर दिया जाएगा। गोपीनाथ और उनके साथी यदि समय रहते सजग न होते तो असम आज बंगलादेश को हिस्सा होता। भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम से सम्बन्धित व्यक्ति जानते है कि द्वितीय विश्वयुद्ध के समय ब्रिटिश सरकार ने भारत की इच्छा के विपरीत उसे युद्ध का भागीदार बना दिया था। उस समय गांधीजी ने जब असहयोग को नारा दिया तो गोपीनाथ बोरदोलोई के मन्त्रिमण्डल ने त्याग पत्र दे दिया था। विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद 1946 में असम में कांग्रेस की भारी बहुमत से जीत हुई और गोपीनाथ बोरदोलोई मुख्यमंत्री बने। यहाँ एक विशेष बात उल्लेखनीय है कि उस समय अनेक प्रदेशों के मुख्यमन्त्रियों को प्रधानमन्त्री कहा जाता था। इसी कारण ब्रिटिश सरकार के जितने प्रतिनिधि मण्डल आए, वे सब अलग-अलग प्रदेशों के प्रधानमन्त्रियों से बात करते थे। प्रारम्भ में इस बातचीत में गोपीनाथ बोरदोलोई को इसलिए नहीं बुलाया गया, क्योंकि ब्रिटिश सरकार के प्रतिनिधि उनके भारत समर्थक विचारों से भली प्रकार परिचित थे। ब्रिटिश सरकार की एक बड़ी चाल यह थी कि भारत के विभिन्न भागों को अलग-अलग बाँटने के लिए उन्होंने ग्रुपिंग सिस्टम योजना बनाई। उन्होंने यह योजना कांग्रेस के प्रतिनिधियों के सामने रखी।

उन्हीं दिनों 6 जुलाई और 7 जुलाई को मुम्बई में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। कांग्रेस ने योजना पर विचार किया और दुःख की बात यह है कि कांग्रेसी नेता ब्रिटिश सरकार की चाल को समझ नहीं पाए और उन्होंने योजना के लिए स्वीकृति दे दी। गोपीनाथ बोरदोलोई इस योजना के सर्वथा विरुद्ध थे। उनका कहना था कि असम के सम्बन्ध में जो भी निर्णय किया जाएगा अथवा उसका जो भी संविधान बनाया जाएगा, उसका पूरा अधिकार केवल असम की विधानसभा और जनता को होगा। वे अपने इस निर्णय पर डटे रहे। उनकी इसी दूरदर्शिता के कारण असम इस षड़यंत्र का शिकार होने से बच सका। गोपीनाथ बोरदोलोई ने अपने देश के प्रति सच्ची निष्ठा के कारण भारतीय स्तर के नेताओं में इतना महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया था कि वे इनकी बात मानने को तैयार हुए। इस प्रकार असम भारत का अभिन्न अंग बना रहा। यही कारण है कि भारत और असम के लोग उनके इस महत्त्वपूर्ण कार्य को समझ सके। असम के लोग आज बड़े प्यार से गोपीनाथ बोरदोलोई को शेर-ए-असम के नाम से पुकारते हैं।

निधन- गोपीनाथ बोरदोलोई के नेतृत्व में असम प्रदेश में नवनिर्माण की पक्की आधारशिला रखी गई थी, इसलिए उन्हें आधुनिक असम का निर्माता भी कहा जाता है। 5 अगस्त, 1950 ई. में जब वे 60 वर्ष के थे, तब उनका देहांत गुवाहाटी में हो गया। गोपीनाथ बोरदोलोई के प्रयत्नों से ही असम आज भारत का अभिन्न अंग है। ब्रिटिश सरकार ने उस क्षेत्र को अलग करने की योजना बनाई थी।

# इस स्मॉल कैप डिफेंस कंपनी को मिला 190 करोड़ का निर्यात ऑर्डर, 10 फीसदी उछले शेयर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स के शेयरों में सोमवार, 4 अगस्त, 2025 को 9.6 फीसदी का उछाल देखने को मिला। यह बीएसई पर इंट्रा-डे 468.05 प्रति शेयर के हाई लेवल पर पहुंच गया। अंत में प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स के शेयर की कीमत 3.28 फीसदी बढ़कर 440.30 रुपये प्रति शेयर बंद हुई।

प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स के शेयरों में तेजी की वजह - कंपनी को एक अंतरराष्ट्रीय संस्था से कुल 190.07 करोड़ रुपये (21,750,000 डॉलर) का निर्यात ऑर्डर मिलने के बाद शेयर में खरीदारी हुई। अनुबंध के तहत कंपनी रक्षा विस्फोटकों का निर्माण और आपूर्ति करेगी, जिसकी आपूर्ति दो वर्ष की अवधि के भीतर की जाएगी।

फाइलिंग में कहा गया है, ÷हमारी कंपनी, प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड को रक्षा विस्फोटकों के निर्माण और आपूर्ति के लिए कुल 21,750,000 डॉलर यानी लगभग 190.07 करोड़ रुपये का निर्यात ऑर्डर मिला है, जिसे 2 साल की अवधि के भीतर वितरित किया जाना है।

हाल ही में, कंपनी ने रक्षा विस्फोटकों के निर्माण और आपूर्ति के लिए 12.24 मिलियन डॉलर (लगभग 105 करोड़ रुपये) कीमत का एक अंतर्राष्ट्रीय निर्यात ऑर्डर हासिल किया।

एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार, यह ऑर्डर एक अंतरराष्ट्रीय क्लाइंट से मिला है और अगले 12 महीनों में पूरा किया जाएगा। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि न तो उसके प्रमोटरों और न ही प्रमोटर समूह की कंपनियों की इस ऑर्डर देने वाली कंपनी में कोई रुचि है। अंतराष्ट्रीय क्लाइंट का नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स त्त4 परिणाम - मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 44.3 फीसदी घटकर 3.7 करोड़ रह गया, जबकि रेवेन्यू पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 14.6 फीसदी घटकर 74.08 करोड़ रह गया। क्रमिक आधार पर, दिसंबर 2024 तिमाही की तुलना में कंपनी का नेट प्रॉफिट 59.7 फीसदी गिरा, जबकि रेवेन्यू 55.3 फीसदी गिरा।

## एक साल में 1 लाख के बनाए 19300000, रोज लग रहा अपर सर्किट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में पिछले एक महीने में बड़ी गिरावट देखी गई। इस दौरान कई बड़ी कंपनियों ने काफी नुकसान भी कराया। लेकिन एक छुटकू शेयर ने निवेशकों को मालामाल बना दिया। दरअसल, एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयर में पिछले एक महीने में तूफानी तेजी देखने को मिली। स्टॉक में एक महीने से लगातार अपर सर्किट लग रहा है।

इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अगर सालभर पहले आपने इसमें सिर्फ एक लाख रुपए इन्वेस्ट किए होते तो आज उसकी वैल्यू 1 करोड़ 93 लाख रुपए होती। एक साल पहले इस शेयर की कीमत 1.10 रुपए थी, जो आज 213 रुपए के पार पहुंच गई है।

ऑल टाइम हाई पर पहुंचा स्टॉक- एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड का स्टॉक सोमवार को BSE पर 213.70 रुपए के साथ ओपन हुआ और मार्केट खुलते ही इसमें अपर सर्किट लग गया। स्टॉक ने ऑल टाइम हाई भी बनाया। इसका 52 हफ्ते का लो लेवल 1.10 रुपए है।

इसमें पिछले 45 दिन में 30 से ज्यादा बार अपर सर्किट लग चुका है। खास बात है कि यह स्टॉक 15 दिन में निवेशकों का पैसा डबल कर चुका है। इसने एक महीने में 178%, छह महीने में 1200%, एक साल में 19000% और पांच साल में 15000% का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

## हर शेयर पर मिलेंगे 156 रुपये, इस कंपनी ने दिया अपना सबसे बड़ा स्पेशल डिविडेंड, रिकॉर्ड और पेमेंट डेट



नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दिग्गज पेंट कंपनी एक्ज़ो नोबेल इंडिया लिमिटेड ने 4 अगस्त को त्त1 के नतीजे जारी करते हुए सबसे बड़ा और रिकॉर्ड डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी के बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 156 के स्पेशल एंटरिम डिविडेंड के भुगतान को मंजूरी दी है। कंपनी की ओर से एक्सचेंज को दी गई फाइलिंग में कहा गया कि इस स्पेशल अंतरिम डिविडेंड का भुगतान 30 दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।

क्या है डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट- एक्ज़ो नोबेल इंडिया लिमिटेड के बोर्ड ने स्पेशल डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 11 अगस्त, 2025 फिक्स की है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, यह भुगतान कंपनी द्वारा किसी तिमाही में किया गया अब तक का सबसे अधिक भुगतान है, जो वर्ष 2000 से अब तक का है। उधर, FY26 की पहली तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 20.6% घटकर 91 करोड़ रह गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 114.6 करोड़ था।

वहीं, रेवेन्यू एक साल पहले के 1,036.3 करोड़ से 4त्न घटकर 995 करोड़ रह गया। EBIDTA 169.8 करोड़ से 20.4त्न घटकर 134.4 करोड़ रह गया, जबकि मार्जिन साल-दर-साल 16.3त्न से घटकर 13.5त्न रहे।

एक साल में 20% रिटर्न- अक्ज़ो नोबेल इंडिया लिमिटेड के शेयर 4 अगस्त को 2.37त्न की तेजी के साथ 3722 पर बंद हुए। पिछले एक साल में इस कंपनी के शेयरों ने 20 फीसदी रिटर्न दिया है, जबकि 5 सालों में निवेशकों का पैसा करीब दोगुना कर दिया है।

## सरकार से इस कंपनी को मिला 792 करोड़ का PAN 2.0 प्रोजेक्ट, शेयर पहुंचा 5000 के पार



नई दिल्ली (एजेंसी)। आयकर विभाग ने अपने महत्वाकांक्षी PAN 2.0 प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए देश की एक दिग्गज कंपनी को इसकी जिम्मेदारी सौंप दी है। आईटी डिपार्टमेंट की ओर से एलटीआईमाइंडट्री को यह जिम्मा सौंपा गया है, जिसका मकसद आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके परमानेंट अकाउंट नंबर और टैक्स कटौती व कलेक्शन अकाउंट नंबर प्रणालियों का आधुनिकीकरण और सुधार करना है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एक अधिकारी के हवाले से इस बात की जानकारी दी है, और बताया कि यह प्रोजेक्ट अगले 18 महीनों में शुरू हो जाएगा।

क्या है PAN 2.0 को लेकर सरकार का प्लान- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के सूत्रों ने बताया कि आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने इस परियोजना को मंजूरी दे दी है, जिसके अगले 18 महीनों में चालू होने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि बोली की कीमत लगभग 792 करोड़ रुपये है।

सूत्रों ने बताया कि, पैन 2.0 परियोजना का उद्देश्य जनता को बेहतर सर्विस क्वालिटी, क्विक सर्विस डिस्ट्रीब्यूशन और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी का लाभ उठाकर बेहतर शिकायत निवारण तंत्र के लिए पैन/टैन प्रक्रियाओं को सरल बनाना है।

# ये है मुकेश अंबानी का सबसे बड़ा रिस्क



नई दिल्ली (एजेंसी)। जब मुकेश अंबानी ने 2016 में 70,000 करोड़ रुपये के निवेश से 5,000 शहरों और 2 लाख गांवों में जियो लॉन्चिंग से 4त्न बिछाने की योजना बनाई तो यह सबके लिए हैरान करने वाला था। खुद रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी इसे सबसे बड़ा रिस्क स्वीकार किया है।

उस समय कई बड़े-बड़े दिग्गज को भी इस पर भरोसा नहीं हो रहा था। उनका अनुमान था कि अगले वित्त वर्ष तक जियो के 4 करोड़ सब्सक्राइबर होंगे और 2019-20 तक 2 अरब डॉलर के कैश फ्लो आएंगे।

वहीं, फिच ने कहा था कि जियो पहले साल में 2-3 करोड़ सब्सक्राइबर से ज्यादा नहीं जोड़ पाएगा, जबकि कंपनी का लक्ष्य 10 करोड़ का था। लेकिन डेटा रिवॉल्यूशन के बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई। जियो ने बाजार ही नहीं बदला, बल्कि रिलायंस के लिए ग्रोथ इंजन बन गया।

जियो बना रिलायंस का सबसे बड़ा ड्राइवर पिछले 10 साल में रिलायंस का शेयर सालाना 22% की दर से बढ़ा है, जबकि निफ्टी 50 केवल 12% बढ़ा। बर्नस्टीन की रिपोर्ट के मुताबिक टेलीकॉम सेक्टर अगले दो सालों में 13% CAGR देगा। जियो के 2027 तक 50 करोड़ सब्सक्राइबर और 48% रेवेन्यू शेयर हासिल करने की उम्मीद है।

Q1 FY26 में जियो ने रिलायंस के EBITDA में 40% योगदान दिया। रिटेल को जोड़ दें तो कंपनी की आधी से ज्यादा कमाई इन दो कंज्यूमर बिजनेस से आती है। जियोस्टार, रिलायंस का डिजिटल वेंचर ने भी 11,222 करोड़ रुपये की कमाई की और 1.04 अरब ऐप डाउनलोड दर्ज किए। फिर भी, शेयर 4% गिरकर 1,415 पर है।

गिरावट क्यों- त्त1 में कंपनी का मुनाफा 78% बढ़कर 26,994 करोड़ हुआ, लेकिन इसमें एशियन पेंट्स की हिस्सेदारी बेचकर मिली 8,924 करोड़ की कमाई भी शामिल थी। इसे हटाने पर मोतिलाल ओसवाल के मुताबिक टैक्स के बाद मुनाफा 18,100 करोड़ रहा, जो उम्मीद से 10% कम था।

ऑयल-टू-केमिकल्स बिजनेस कमजोर रहा और रिटेल की ग्रोथ भी उतनी दमदार नहीं रही। मोतिलाल ओसवाल ने FY26-27 के लिए EBITDA और नेट प्रॉफिट के अनुमान 1-4% घटा दिए हैं।

## इन फंड ने दिया तीन सालों में 30% से ज्यादा रिटर्न, आपने किया इनमें निवेश?

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड आज हर किसी का फेवरेट निवेश प्लेटफॉर्म है। इसका कारण इसमें मिलने वाला रिटर्न है। हालांकि ये रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। इसलिए अपने पोर्टफोलियो में सुरक्षित निवेश ऑप्शन को स्थान देना चाहिए।

आइए जानते हैं ऐसे कौन-से फंड है, जिन्होंने तीन सालों में 30 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। ये बात ध्यान रखें कि नीचे बताए गए सभी इक्विटी फंड है। इक्विटी फंड में सबसे ज्यादा रिस्क रहता है। हालांकि ये आपको सबसे ज्यादा रिटर्न दें देते हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

# दारू की लत ऐसी की प्लेटफॉर्म को भी नहीं छोडा

सतना। रेलवे स्टेशन से एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें एक युवक सार्वजनिक स्थान पर समोसे में मिलाकर शराब पीते हुए नजर आ रहा है। यह पूरी घटना प्लेटफॉर्म के अंदर यात्रियों के सामने घटी, जिससे रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

**समोसे को शराब में डुबाकर खाया**-प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक पहले समोसा खा रहा था, लेकिन थोड़ी देर बाद उसने बोतल से शराब निकालकर समोसे पर डालनी शुरू कर दी और फिर उसी में डुबोकर खाने लगा। यह दृश्य देख वहां मौजूद यात्री दंग रह गए, लेकिन किसी ने उसे रोकने की हिम्मत नहीं की।रेलवे प्रशासन का कोई बयान नहीं

चौंकाने वाली बात यह है कि यह सब कुछ रेलवे स्टेशन परिसर के भीतर हो रहा था, जहां रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी की जिम्मेदारी होती है कि ऐसे असामाजिक गतिविधियों को रोका जाए। रेलवे प्रशासन की ओर से इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन स्थानीय लोगों ने स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी नाराजगी जताई है।

**युवक पर कार्रवाई की मांग**-सवाल यह भी उठ रहे हैं कि आखिर रेलवे परिसर जैसे संवेदनशील और यात्रियों से भरे स्थान पर कोई युवक खुलेआम शराब पीता रहा और सुरक्षा कर्मियों की नजर तक नहीं पड़ी। वीडियो के आधार पर युवक की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है।

# अजा वर्ग के वकील पर ही कर दी एट्रोसिटी एक्ट की एफआईआर

ग्वालियर। भीमराव आंबेडकर को लेकर फोन पर अजा वर्ग के वकील का भीम आर्मी के कार्यकर्ता से विवाद हुआ। इसी दौरान वकील द्वारा अभद्र भाषा का उपयोग किया गया। भीम आर्मी का कार्यकर्ता अपने साथियों को लेकर थाटीपुर थाने पहुंच गया और उसने एफआइआर दर्ज करा दी लेकिन थाटीपुर थाना पुलिस ने इस मामले में अजा वर्ग के वकील पर ही एट्रोसिटी एक्ट की धारा में एफआईआर दर्ज कर ली।

थाटीपुर स्थित गौतम नगर में रहने वाला अजय जाटव भीम आर्मी का कार्यकर्ता है। उसने दूसरे पक्ष से जुड़े दिनेश सिंह जाटव को फोन लगाया। फोन पर आंबेडकर और संविधान को लेकर बात चल रही थी। अजय का आरोप है कि इस दौरान दिनेश सिंह द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया, उसने जातिसूचक गालियां दीं। इस मामले में थाटीपुर थाना पुलिस ने एट्रोसिटी एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351-2 के तहत एफआईआर दर्ज की। अब इस मामले में दिनेश सिंह का कहना है कि वह अजा वर्ग का है।

उसने अपना जाति प्रमाण पत्र भी सोशल मीडिया पर साझा किया। दिनेश सिंह और उसके साथियों ने कहा कि पुलिस द्वारा बिना जांच के ही एफआइआर दर्ज कर ली गई। अजा वर्ग के व्यक्ति पर ही एट्रोसिटी एक्ट के तहत एफआइआर कर ली गई है।

जिस समय यह एफआइआर हुई, जानकारी नहीं थी कि आरोपित अजा वर्ग का है। उसने अपना जाति प्रमाण पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया है। वह थाने आकर इसे प्रस्तुत करे तो जांच के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

**-विपेंद्र सिंह चौहान, थाना प्रभारी, थाटीपुर**

# तालाब में गिरी पत्नी को बचाने कूदे पति की मौत

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले के उचेहरा थाना अंतर्गत परसमनिया चौकी के पास एक दर्दनाक हादसे में पत्नी को बचाने के प्रयास में एक युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। यह हृदयविदारक घटना रविवार को उस समय घटी जब राज बहादुर सिंह (32), पिता किशोर सिंह गोंड, निवासी परसमनिया अपने परिजनों के साथ पास के तालाब में नहाने गया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज बहादुर के परिवार में कुछ दिन पूर्व एक बच्चे की मौत हो गई थी। इसी दुखद घटना के बाद परिवार के सभी सदस्य घर के पास स्थित तालाब पर स्नान के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान राज बहादुर की पत्नी अंजू तालाब में अचानक फिसलकर गहरे पानी में गिर गई। पत्नी को डूबता देख राज बहादुर ने बिना देर किए तालाब में छलांग लगा दी और काफी मशक्कत के बाद पत्नी को बाहर निकालने में सफल भी रहा।गांववाले और परिजन सदमे में

हालांकि, अंजू तो बच गई लेकिन राज बहादुर खुद गहरे पानी में फंस गया और डूब गया। जब तक आसपास के लोग कुछ समझ पाते और उसे बाहर निकालते, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। परिजन आनन-फानन में राज बहादुर को लेकर उचेहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गांववाले और परिजन अभी भी घटना से सदमे में हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

# जबलपुर एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा, इंडिगो एयरबस का लैडिंग के बाद टायर पंचर

जबलपुर। डुमना एयरपोर्ट पर सोमवार को करीब 11.30 बजे इंडिगो का एयर बस के विमान का टायर क्षतिग्रस्त हो गया। हादसा उस वक्त हुआ जब एयरबस यात्रियों को उतारने के बाद एप्रान में खड़े होने ले जाया जा रहा था। राहत की बात ये रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। विमान को सुधार के लिए दिल्ली से टेक्निकल टीम को बुलाया गया है। इंडिगो ने कहा है विमान में टेक्निकल खराबी आई है जिसे सुधार किया जा रहा है। सुधार के बाद शाम को इसी विमान को मुंबई के लिए रवाना किया जाएगा।

**क्या है पूरा मामला?**-सुबह मुंबई से इंडिगो का एयरबस 180 यात्री क्षमता वाला विमान लैंड किया। यात्रियों को उतारने के बाद विमान को एप्रान में खड़े करने के लिए पायलट ले जाने लगे। इसी दौरान टायर क्षतिग्रस्त हो गया। सूत्र बता रहे हैं कि टायर में नुकीली धातु (कील नुमा) घुसी थी हालांकि प्रबंधन मामले को दबा रहा है। घटना स्थल के करीब से सभी को हटा दिया गया है ताकि मामले की जानकारी सार्वजनिक न हो। इंडिगो ने दिया है टेक्निकल खराबी का हवाला

इंडिगो की तरफ से भी विमान में टेक्निकल खराबी आने की बात कहीं जा रही है। हकीकत में टेक्निकल टीम विमान के टायर को सुधार करने आई है इस काम में करीब एक घंटा लगने का अनुमान है जिसके बाद विमान सुधार कर लिया जाएगा और इसे वापस मुबंई की उड़ान के लिए तैयार किया जाएगा। शाम करीब पांच बजे इस विमान को मुंबई के लिए उड़ान भरना होता है बताया जा रहा है कि सुधार की वजह से सोमवार को मुंबई जाने के लिए विमान देरी से उड़ान भरेगा।

# लड़की का गला काटने वाले रईस खान के अवैध निर्माण को तोड़ा

बुरहानपुर/नेपानगर। नावरा निवासी भाग्यश्री धानुक की लव जिहाद में गला रेत कर हत्या करने वाले आरोपित शेख रईस के अवैध निर्माण पर सोमवार दोपहर प्रशासन का बुलडोजर चला। एसडीएम भागीरथ वाखला, थाना प्रभारी ज्ञानू जायसवाल, नगर पालिका के अधिकारी और नेपा मिल के संपदा विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से दोपहर तीन बजे के आसपास पुलिस बल के साथ पहुंचे थे।

साथ ले जाए गए बुलडोजरों के माध्यम से रेलवे ओवरब्रिज के पास किए गए अतिक्रमण और अवैध रूप से बनाए गए टीनशेड को ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा संजय नगर के मकान में किया गया अवैध निर्माण और आंगनबाड़ी के पीछे किया गया अतिक्रमण भी गिराया गया है। मातापुर स्थित दुकान किराए की होने के कारण उस पर कार्रवाई नहीं की जा सकी। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में आसपास के लोग भी मौजूद थे। शाम पांच बजे के आसपास कार्रवाई समाप्त हुई। ज्ञात हो कि भाग्यश्री की हत्या के बाद स्वजन और हिंदूवादी संगठनों ने रईस के अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग की थी। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने भी इसे लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए थे। प्रशासन की इस कार्रवाई पर लोगों ने संतोष जताया है। निकाह और मतांतरण से किया था इनकार

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार देर रात आरोपित शेख रईस ने भाग्यश्री धानुक पर फिर से निकाह करने और मतांतरण के लिए दबाव बनाया था। उसके द्वारा स्पष्ट रूप से इनकार करने पर वह भड़क गया। चाकू से गला रेत कर उसकी हत्या कर दी थी।जिसे लेकर हिंदू संगठन भड़क गए थे और नावरा में शव रखकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

साथ ही बाजार भी बंद करा दिया था। करीब चार घंटे बाद अधिकारियों के आश्वासन पर प्रदर्शन समाप्त कर भाग्यश्री का अंतिम संस्कार किया था।

आरोपित शेख रईस पेशे से दूध का व्यापारी है। पुलिस ने उसे सोमवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

ज्ञापन सौंपकर की फांसी देने की मांगसोमवार को हिंदू महासभा और संत रविदास समिति के पदाधिकारियों ने भी कलेक्टर व एसपी के नाम ज्ञापन सौंपा है।

इसमें यह मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने और आरोपित रईस को फांसी की सजा दिलाने की मांग की गई है।इसके अलावा भीम आर्मी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दत्तू मेढ़े ने भी पीड़ित परिवार से भेंट कर सांत्वना दी है। उन्होंने कहा कि अपराधी का कोई धर्म और जाति नहीं होती।

# वाल्मिकी समाज ने स्वच्छता में नंबर वन बनाकर इंदौर का मान बढ़ाया है - मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। वाल्मिकी समाज इंदौर की शान है। इंदौर को यदि आठवी बार स्वच्छता में नंबर वन का पुरस्कार मिला है तो इसका श्रेय वाल्मिकी समाज के युवाओं और माताओं को जाता है। इन्होंने इंदौर का मान बढ़ाया है और इंदौर का नाम पूरे विश्व में रोशन हुआ है। यह बात नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने गत शनिवार को जाहर वीर गोगादेव जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में इंदौर शहर की समस्त छड़ियों और निशानों का पूजन करते हुए कही।

इस अवसर पर क्षेत्र क्रमांक-1 स्थित हंसदास मठ पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इस साल निशान की सेवा करने वाले ज्यादातर युवा हैं और वर्तमान में इस बात की आवश्यकता भी है कि युवा हमारे सामाजिक-धार्मिक उत्सवों में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी करें। इन आयोजनों के माध्यम से इतनी शक्ति प्राप्त करें कि हर तरह के दुर्व्यसनों से दूर रहें। गोगादेव जी महाराज साक्षात रूप से ईश्वर का स्वरूप है। उनके शौर्य और पराक्रम के किस्से जब पढ़ते हैं तो बड़ा गर्व महसूस होता है। महमूद गजनी जब सोमनाथ पर हमला करने आया था तो गोगादेवजी ने उसको सात बार रोकने की कोशिश की थी और आठवी बार वो युद्धभूमि में वीरगति को प्राप्त हो गए। उनके साथ ही उनके कई बंधु-बांधव भी वीरगति को प्राप्त हुए थे। गोगादेवजी महाराज सामाजिक समरसता और वीरता के प्रतीक थे।

श्री विजयवर्गीय ने आगे कहा कि गोगादेव जी महाराज की गौ रक्षा में भी बड़ी ख्याति थी। गौ सेवा उनका परम धर्म था। एक बार जब उनके परिवार में आपस में लड़ाई हो गई तो उनकी गायों को महमूद गजनी के पाले में छोड़ आए थे। गोगादेवजी गए और गजनी के यहां से गोमाताओं को छुड़ा कर लाए थे। मैने अभी सुना की गोगादेव की भक्ति में बड़े सख्त नियमों का पालन किया जाता है। उपासना करने वाले पुरूष सवा महीने तक उपवास कर महिलाओं के हाथ का भोजन ग्रहण नहीं करते हैं। इस तरह सात्विकता का पालन करते हुए गोगादेवजी की भक्ति करते हैं। गोगादेवजी की सेवा से ही भक्तों को विशेष शक्ति मिलती है। इस बार गोगादेव जी के निशानों पर देवी-देवताओं की बड़ी सुंदर आकृतियां दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि मेरे आग्रह पर आप इतने सारे निशान लेकर यहां पर आए। पिछली बार 40 थे इस बार करीब 70 निशान पूजन के लिए आए हैं। यह बहुत बड़ी बात है। मुझे आज गोगादेव जी के इतने निशान की पूजा करने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके लिए मैं आपका कृतज्ञ हूं। इतने निशानों से हंसदास मठ चार धामों का पुण्य वाला स्थान बन गया है। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री आकाश विजयवर्गीय ने भी सम्बोधित किया।

**वाल्मिकी समाज ने किया भव्य स्वागत-**

गोगादेव जी की छड़ियों के सामूहिक पूजन के कार्यक्रम का यह दूसरा साल है। इस कार्यक्रम की शुरूआत पिछले साल मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने की थी। कार्यक्रम का शुभारंभ महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण करके की गई। कार्यक्रम में मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय और पूर्व विधायक श्री आकाश विजयवर्गीय ने समस्त निशानों की पूजा की।

## स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान

खण्डवा। मध्यप्रदेश में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता - स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान तीन चरणों में आयोजित होगा। अभियान के प्रथम चरण में 2 से 8 अगस्त तक देशभक्ति के वातावरण का जागरण तथा तिरंगे पर केन्द्रित सार्वजनिक कार्यक्रम, चर्चाएँ आयोजित की जाएंगी। साथ ही तिरंगे से प्रेरित कला, तिरंगा प्रदर्शनी का प्रदर्शन, तिरंगा रंगोली, तिरंगा राखी निर्माण, तिरंगा बुनाई, तिरंगा पर प्रश्नोत्तरी, तिरंगे के लिए स्वयं सेवा, तिरंगा सजावट और प्रकाश व्यवस्था तथा सैन्य बलों के जवानों और पुलिसकर्मियों को पत्र लेखन आदि गतिविधियां संचालित होगी। अभियान के द्वितीय चरण में 9 से 12 अगस्त तक लोगों को साथ लाने, व्यापक प्रचार-प्रसार, ध्वजों की उपलब्धता तथा सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगे की दृश्यता के लिये कार्य किये जायेंगे। स्थानीय उत्पादों पर केंद्रित तिरंगा मेला, तिरंगा केसर्ट, तिरंगा बाइक/तिरंगा साइकिल रैली, उच्च जनभागीदारी के साथ तिरंगा यात्रा, तिरंगा ध्वज की बिक्री और समुचित व्यवस्था, मानव श्रृंखला निर्माण, तिरंगा गान जैसे कार्यक्रम होंगे।

अभियान के तृतीय चरण में 13 से 15 अगस्त तक घर, कार्यालयों तथा वाहनों पर तिरंगा लगाने, सेल्फ़ी अपलोड, सर्वत्र तिरंगे की दृश्यता तथा संस्कृति मंत्रालय के साथ सूचनाओं का सतत आदान-प्रदान किया जायेगा। हर जगह तिरंगा दृश्यता, तिरंगा के साथ रिकॉर्ड इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यक्रम किये जायेंगे।

केन्द्रीय पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से चलने वाले इस अभियान की परिकल्पना सामूहिक उत्सव और नागरिक एकता की भावना पर आधारित है।

## तप, साधना और सांसारिक सुखों से दूर, 900 जैन समाजजनों ने किया 20 घंटे का सामूहिक सामयिक

इंदौर। आज सबसे ज्यादा समय सोशल मीडिया वेब सीरीज, युटुब ,फेसबुक, व्हाट्सएप पर व्यतीत हो रहा है सर्वाधिक समय हम सोशल मीडिया पर दे रहे हैं जो हमारे लिए घातक है युवाओं को तो उनके भविष्य के सामने चिंता की लकीरें सोशल मीडिया ने खींच दी है इनका आत्मविश्वास और आत्म चिंतन दोनों ही कमजोर हो रहा है। समाज को अपने पूर्वजों की गौरवशाली इतिहास को बताना की आवश्यकता है जिससे न सिर्फ आत्म चिंतन और आत्म शक्ति मजबूत होगी बल्कि आत्महत्या जैसे कलंकित कृत्य से मुक्ति मिलेगी।

यह विचार यशवंत निवास रोड स्थित समता भवन में रविवार को पूज्य मुनि प्रवर आदित्य महाराज सा ने धर्म सभा में व्यतीत किया। 25 रंगी कल्प धर्म जागरण में उपस्थित बाल युवा और समाज जनों ने सुबह 8-30 से 12- तक धर्म लाभ लिया, महाराज जी ने बताया कि मनुष्य का जन्म परमार्थ और परमात्मा के बताए मार्ग पर चलने के लिए हुआ है समय का सदुपयोग करें तो फल मल्टीप्ल प्राप्त होगा। साधु मार्गी जैन समता संघ अध्यक्ष पारस वोहरा और चित्रेश मेहता ने बताया कि शनिवार दोपहर 3 बजे से रविवार दोपहर तक सामूहिक सामयिक का आयोजन किया गया।

# इंदौर में अब सरकारी कार्यालयों में आने वाले दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य

इंदौर। हेलमेट नहीं पहनने वाले दोपहिया वाहन चालकों की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने नो हेलमेट-नो पेट्रोल का आदेश एक अगस्त से लागू किया है। अब इसकी अगली कड़ी में शासकीय कार्यालयों में भी दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट अनिवार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर आशीष सिंह ने शुक्रवार को सभी विभाग प्रमुखों को पत्र जारी कर अपने कार्यालयों में आने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों और अन्य दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट अनिवार्य करने के लिए निर्देशित किया था। इसके बाद जिले के शासकीय कार्यालयों में भी हेलमेट अनिवार्य किया गया है। आज से शासकीय कार्यालयों में इसको प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है। दोपहिया वाहनों से आने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा। वहीं कार्यालय आने वाले आवेदकों को भी हेलमेट पहनने के लिए समझाइश दी जाएगी।

**दिखने लगा असर-** जिले में शुक्रवार से लागू हुए नो हेलमेट-नो पेट्रोल के आदेश का प्रभावी रूप से पालन किया जा रहा है। रविवार को भी पंपों से दोपहिया वाहन चालकों को बगैर हेलमेट के पेट्रोल नहीं दिया गया।

# गौरव दिवस कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरुआत विद्यार्थियों के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुई

खण्डवा। कलेक्टर श्री त्रिभुव गुप्ता के निर्देशन में 4 अगस्त तक खंडवा का गौरव दिवस मनाया जा रहा। इस 3 दिवसीय आयोजन के दूसरे दिन रविवार को स्कूली विद्यार्थियों द्वारा नगर निगम कार्यालय के सामने बने मंच पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए । इस अवसर पर नगर निगम द्वारा रंगबिरंगी आतिशबाजी भी की गई। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री त्रिभुव गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने रंग-बिरंगे गुब्बारे भी छोड़े। इस अवसर पर खरगोन की कलेक्टर श्रीमती भव्या मित्तल, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, नगर निगम खंडवा के अध्यक्ष श्री अनिल विश्वकर्मा, सहायक कलेक्टर श्री कृष्णा सुशीर सहित विभिन्न अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी व शिक्षकगण भी मौजूद थे।

कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले सभी स्कूलों के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

# मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा में 7 सहायक कंपनियां करेंगी काम

इन्दौर। प्रदेश में नगर वाहन सेवा समेत अंतरशहरी बस सेवा को सुगम बनाने के लिये मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा प्रदेश में जल्द ही शुरू किये जाने के प्रयास परिवहन विभाग द्वारा किये जा रहे है। इसके लिये प्रदेश में राज्य स्तरीय कम्पनी के साथ 7 सहायक कंपनियां गठित की गई हैं। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना को राज्य शासन द्वारा अप्रैल 2025 में स्वीकृति दी जा चुकी है।

कंपनियों का गठन- प्रदेश में राज्य स्तरीय कंपनी मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं अधोसंरचना लिमिटेड कंपनी का गठन रजिस्ट्रार ऑफ कंपनी एक्ट में 3 जुलाई 2025 को पंजीयन के साथ हो गया है। मुख्यमंत्री राज्य स्तरीय कंपनी के अध्यक्ष होंगे। परिवहन मंत्री एवं मुख्य सचिव उपाध्यक्ष होंगे। राज्य स्तरीय कंपनी के अधीन राज्य शासन के द्वारा लिये गये निर्णयों के अनुसार 7 सहायक कंपनी सम्पूर्ण प्रदेश में रहेगी। वर्तमान में इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर, सागर, रीवा और ग्वालियर में कार्य कर रही सिटी बस कंपनी के शेयर होल्डिंग में परिवर्तन करते हुए इन सातों शहरों की नवगठित कंपनिया बनाई गई है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के अंतर्गत सभी संभागों में वैज्ञानिक पद्धति से ट्रैफिक सर्वे करते हुए नये सिरे से नवीन बस रूट निर्धारण और इन रूट्स पर बस फ्रिक्वेंसी के निर्धारण कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस क्रम में उज्जैन एवं इंदौर संभाग का ट्रैफिक सर्वे और रूट निर्धारण का कार्य अंतिम चरण में है। जबलपुर एवं सागर संभाग में सर्वे कार्य जारी है। इसके बाद भोपाल, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल, ग्वालियर तथा चंबल संभाग के रूट्स सर्वेक्षण का कार्य भी किया जाएगा।

अधोसंरचना का कार्य पीपीपी मॉडल पर होगा- मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा में वर्तमान निजी बस ऑपरेटर्स को पारदर्शी प्रक्रिया के साथ शासन नियंत्रित बस कंपनी द्वारा अनुबंधित कर कंपनी के सुपरविजन में बस संचालित होंगी। इस योजना में प्रत्येक जिले में बस डिपो, अत्याधुनिक बस स्टेंड और बस स्टॉप का निर्माण पीपीपी (पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशीप) मॉडल में किया जाएगा। उज्जैन एवं इंदौर रूट सर्वे कार्य अंतिम चरण होने से इन बस कंपनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिलेवार बस ऑपरेटर्स से सलाह कर रूट निर्धारण के संबंध में आवश्यक सलाह मशविरा कर सकेंगे।

श्री संदीप सोनी को अतिरिक्त प्रभार- उज्जैन सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड के सीईओ का अतिरिक्त प्रभार श्री संदीप सोनी को सौपा गया है। श्री संदीप सोनी वर्तमान में मुख्य कार्यपालन अधिकारी उज्जैन प्राधिकरण भी हैं।

# 2000 फर्जी जमीन डायरी, कई बदमाशों को दिलवाई जमानत, 50 लोगों का गैंग

इंदौर। इंदौर और आसपास के न्यायालयों में फर्जी जमानत देने वाले कुख्यात चाचा-भतीजा गिरोह के 38वें सदस्य को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया है कि यह गिरोह 50 से अधिक सदस्यों वाला एक संगठित नेटवर्क है, जो वर्षों से फर्जी जमानत देने का धंधा कर रहा है। गिरोह ने अब तक 2000 से ज्यादा फर्जी जमीन की डायरियां छपवाई हैं और उन्हीं दस्तावेजों के आधार पर कई बदमाशों की जमानतें करवाई हैं। कई बदमाश तो जमानत पर छूटने के बाद फरार भी हो चुके हैं। वहीं गिरोह के कई सदस्य अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं, जिनकी तलाश जारी है। गिरोह का मास्टरमाइंड चाचा-भतीजा, दो प्रिंटिंग प्रेस से छपती थीं फर्जी डायरियां इस गिरोह का पर्दाफाश क्राइम ब्रांच ने कुछ साल पहले किया था। गिरोह का सरगना प्रकाश और उसका भतीजा करण है, जबकि बाकी सदस्य इंदौर समेत आसपास के शहरों के रहने वाले हैं। गिरोह के काम करने का तरीका भी बेहद सुनियोजित है। इन्होंने फर्जी जमीन की 2000 से अधिक डायरियां छपवा रखी हैं, जिन्हें इंदौर के सदर बाजार और सिख मोहल्ला क्षेत्र की दो प्रिंटिंग प्रेसों में छपवाया गया था।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

# भोले-शंभू भोलेनाथ के जयकारों से गूंजा भगवान श्री महाकालेश्वर का सभामंडप

उज्जैन । भगवान श्री महाकालेश्वर की श्रावण माह में निकलने वाली सवारियों के क्रम में चतुर्थ व अंतिम सोमवार को सायं 04 बजे परम्परानुसार श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी धूमधाम से निकली। सवारी में भगवान श्री महाकालेश्वर ने चार विभिन्न स्वरूपों में भक्तों को दर्शन दिये।

जिसमें पालकी में श्री चन्द्रमोलेश्वर, गजराज पर श्री मनमहेश, बैलगाडी में गरूड पर शिवतांडव एवं बैलगाडी में नंदी पर श्री उमा-महेश के स्वरूप में विराजमान होकर अपनी प्रजा का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकले।

श्री महाकालेश्वर भगवान की चतुर्थ सवारी निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री चंद्रमोलीश्वर का पूजन मध्यप्रदेश शासन के परिवहन व स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदयप्रताप सिंह द्वारा किया गया। पूजन शासकीय पुजारी पं. श्री घनश्याम शर्मा ने

सम्पन्न करवाया।

श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर के सभामंडप में विधायक सतीश मालवीय, नगर निगम सभापति कलावती यादव, महापौर मुकेश टटवाल, संजय अग्रवाल, रौशन कुमार सिंह, कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, ए.डी.एम. एवं प्रशासक श्री प्रथम कौशिक आदि ने भी भगवान श्री चंद्रमोलीश्वर का पूजन-अर्चन किया और आरती में सम्मिलित हुए। सभी गणमान्यो ने पालकी को कंधा देकर नगर भ्रमण हेतु रवाना किया।

सभामंडप में पूजन उपरांत अवंतिकानाथ भगवान श्री चंद्रमोलीश्वर के स्वरूप में पालकी में सवार होकर अपनी प्रजा का हाल जानने और भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। पालकी जैसे ही श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में विराजित भगवान श्री चंद्रमोलीश्वर को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दी गई।

राजाधिराज भगवान महाकालेश्वर की सवारी में लाखो भक्त भगवान शिव का गुणगान करते हुए तथा विभिन्न भजन मंडलियां झांझ-मंजीरे, डमरू बजाते हुए चल रहे थे। सवारी मार्ग के दोनों ओर श्रद्धालु पालकी में विराजित चन्द्रमोलेश्वर के दर्शन के लिए खडे थे जैसे ही पालकी उनके सामने से निकली वैसे ही भगवान के गुणगान एवं पुष्प वर्षा कर अपने आपको श्रद्धालु धन्य मान रहे थे।

सवारी अपने परम्परागत मार्ग से होती हुई रामघाट पहुँची। जहाँ रामघाट पर माँ क्षिप्रा के जल से भगवान का अभिषेक और पूजन किया गया। पूजन-अभिषेक व आरती उपरांत सवारी रामानुजकोट, मोढ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर पहुंची। जहाँ सिंधिया ट्रस्ट के पुजारी द्वारा पालकी में विराजित श्री चन्द्रमोलेश्वर का पूजन किया गया।

# अशांत मन को शांत करने के लिए ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप रामबाण ओषधि है

## साईंमंदिर में हुआ ओम नमः शिवाय मंत्र जाप अनुष्ठान

उज्जैन। अशांत मन को शांत करने के लिए ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप रामबाण ओषधि है।

उक्त बात रामेश्वरदासजी महाराज ने साईंमंदिर अलखधाननगर में संत सत्कार समिति द्वारा श्रावण के चौथे सोमवार को आयोजित ओम नमः शिवाय मंत्र जाप अनुष्ठान में उपस्थित भक्तों से कही। आपने रामचरित मानस में काम को जितने पर नारद मुनि को हुए अभिमान का दृष्टांत देते हुए बताया कि जब नारद मुनि ने आवेश में आकर भगवान को ही श्राप दे दिया और अपनी गलती का एहसास होने पर उनका मन अशांत हो गया तो भगवान विष्णु द्वारा उन्हें ओम नमः शिवाय मंत्र के सहस्र जाप करने को कहा और इससे उनका मन शांत हुआ। अतः यह मंत्र अशांत मन को शांत करने की रामबाण औषधि है। संस्था संरक्षक प्रकाश चित्तौड़ा एवं अध्यक्ष श्याम माहेश्वरी ने बताया कि संस्था सदस्य फूलसिंह जौहरी के सहयोग से किए गए इस अनुष्ठान में उपस्थित श्रद्धालुओं ने सवा लाख मंत्रों का जाप किया। लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, ओमप्रकाश गुप्ता, चिंतामण राठौड़, खेमजी भाई चंदन, चंद्रशेखर माहेश्वरी, प्रकाश काबरा, उमेश गुप्ता, कैलाश पाटीदार, दिनेश महाजन, महेश ज्ञानी, प्रदीप तिवारी, ओमप्रकाश गर्ग, कैलाश मुड़दा, दुर्गेश विजयवर्गीय, भूषण खुल्लर सहित क्षेत्रीय श्रद्धालुओं ने इस महायज्ञ में जाप कर धर्मलाभ लिया। कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव भगवान शर्मा ने किया व आभार कार्यक्रम संयोजक महेश गुप्ता ने माना।

# जिला फुटबॉल संघ द्वारा आयोजित जिला फुटबॉल प्रतियोगिता आज से

उज्जैन। उज्जैन महानंदा नगर स्पोर्ट्स एरीना ग्राउंड पर स्वर्गीय महेंद्र चतुर्वेदीजी की स्मृति में जिला फुटबॉल संघ द्वारा जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता आज 5 अगस्त से प्रारंभ होने जा रही है।

जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष देवव्रत यादव ने बताया कि प्रतियोगिता का पहला मैच स्टूडेंट क्लब और शास्त्री क्लब के बीच आज दोपहर 2 बजे खेला जाएगा। दूसरा मैच न्यू अंबिका स्पोर्ट्स क्लब एवं टैलेंट क्लब नागदा फुटबॉल टीम के मध्य खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में उज्जैन जिले की 18 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रथम पुरस्कार 7501 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 3100 रूपये दिया जाएगा।

# माली समाज के कावड़ यात्रियों का किया सम्मान

उज्जैन। श्री रामी माली समाज धर्मशाला नरसिंह घाट पर ग्राम सलवा (बड़नगर) से पधारे कावड़ यात्रियों का सम्मान किया गया।

पूर्व सरपंच एवं धर्मशाला अध्यक्ष आनंदीलाल सोलंकी के नेतृत्व में महिला, पुरुष, बच्चे व बुजुर्ग सहित करीब 200 कावड़ यात्रियों का स्वागत समाज अध्यक्ष द्वारकाधीश चौहान, भगवान पटेल, लक्ष्मण पटेल, ओम प्रकाश हारोड, पार्षद प्रेमलता ओमप्रकाश रामी, महेंद्र रामी, लक्ष्मी नारायण चौहान, दुर्गेश वर्मा सहित वरिष्ठ जनों ने किया। संचालन गजानंद रामी ने किया एवं आभार किशोर भाटी ने माना।

# किक बॉक्सिंग में उज्जैन के खिलाडियों ने मारी बाजी

उज्जैन। अस्मिता खेलो इंडिया किक बॉक्सिंग लीग का आयोजन 3 अगस्त 2025 रविवार को इंदौर के इंदौर पब्लिक स्कूल में अमेचर स्पोर्ट्स किक बॉक्सिंग एसोसिएशन मध्य प्रदेश द्वारा किया गया ।

उज्जैन से 15 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में सहभागिता कि उज्जैन किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष गौरव रोकड़े ने बताया कि कोच अभिषेक मरमट एवं आकाश वाडेकर के निर्देशन में खिलाड़ियों ने 2 स्वर्ण, 3 रजत, 5 कांस्य पदक प्राप्त किए इनमे साक्षी पटेल, कृतिका पटेल को स्वर्ण पदक, परिधि कृपलानी, निशा चौहान, लक्ष्मी गोलू कौशल को रजत पदक, माहि यादव, अर्पिता रॉय, आद्या नामा, अंशिका कुर्मी, इशिका लोधी को कांस्य पदक प्राप्त हुए प्राप्त हुए । खिलाडियों की इस सफलता पर मध्य प्रदेश किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव आशुतोष दाधीच, उज्जैन किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव रवि यादव, कलेश्वरे गामड़, विशाल सिंह सोलंकी, ने उन्हें बधाई देकर खिलाडियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

# मनीष देवनानी, चिमनदास लखाणी सिंध्यत जी शान अवार्ड से सम्मानित

उज्जैन। सिंधू प्रवाह अकादमी द्वारा राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली एवं सिंधू जागत समाज के सहयोग से आयोजित प्रथम सिंधी बाल नाट्य समारोह का समापन मनीष देवनानी बोर्ड मेंबर एनसीपीएसएल एवं सुनील खत्री न्यू ऑक्सफोर्ड जूनियर कॉलेज के आतिथ्य में कालिदास सम्मान अकादमी में हुआ।

नाट्य समारोह के संयोजक राजकुमार परसवानी ने बताया कि समारोह की द्वितीय एवं समापन संध्या पर नाटक ÷खिचणीय जो राज़÷ रंग सिंधु इंदौर का मंचन युवा निर्देशक जय पंजवानी के निर्देशन हुआ। जिसमें बाल कलाकारों ने बहुत ही उम्दा अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन किया। नाटक में भाग लेने वाले कलाकारों मे मंच पर आराधना चावला, अरिशा अरोरा, कार्तिक आघीचा, आरोही राजानी, प्रथम ओचानी, विनिशा अरोरा, राधिका वाधवानी, भूमिका वाधवानी, एंजल चावला, आस्था वाधवानी, सानिया कपूर, एंजल कारिरा, लविश्का वाधवानी, हर्ष कटारिया, गणेश आघीचा रहे। मंच परे सिन्धी अनुवाद राजकुमारी पंजवानी, वेशभूषा काजल पंजवानी, ताल वाद्य आर्यन गर्गे, संगीत संचालन ईशा वीरवानी, प्रकाश संचालन संजय वर्मा, मंच व्यवस्था मनोज वीरवानी, मंच सामग्री राजकुमारी पंजवानी का रहा। वहीं दूसरे नाटक के रूप में असग़र वज़ाहत का नाटक हड्डी का सिन्धी रुपान्तरण हिमथ न हारि सिन्धू प्रवाह अकादमी की प्रस्तुति वरिष्ठ नाटक निर्देशक कुमार किशन के निर्देशन मे हुआ।

जिसमें वर्तमान समय में नेताओं की मौका परस्ती पर व्यंग्य करते हुए एकता का संदेश दिया गया है जिसमें कलाकारों के रूप में अनुवाद भगवान बाबाणी, भाषा सहयोग एवं मार्गदर्शन चिमन दास लखानी, कोरियोग्राफी डॉ पल्लवी किशन, मेकअप कुमार शिवम, मेकअप सहयोग सोनल भागचंदानी पलक सोनी, कॉस्टयूम वीणा व्यास, आकांक्षा सोनी, लाइट डिजाइन शांतनु भागचंदानी, मंच पर कलाकार बिल्ला -शांतनु भागचंदानी, परी- स्तुति खत्री, चूहे- कुणाल खत्री, मनीष खत्री, चिराग तोलानी, भव्य उत्तमानी, मोही थारवानी, दित्या टहलानी, अयान तेजवानी, जियांश तेजवानी, रिद्धिमा खंडेलवाल, चिराग सामदानी रहे। इस अवसर पर पूरे देश में सिंधी भाषा और संस्कृति के संवर्धन के लिए कार्य कर रहे। मनीष देवनानी एवं चिमन दास लखाणी को सिंध्यत जी शान अवार्ड एवं राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे पांच युवाओं मुकेश सोनी सी.ए. शिक्षा विद्, तरुण रोचवानी आई, ब्लड डोनेट, सिद्धार्थ भागचंदानी डिज़ाइनर, शास्त्रीय नृत्तक, नियति चंदनानी बेडमिंटन चेम्पियन, श्रुति शर्मा कल्लारीपयट्टू को सिन्धी युवा गौरव अवॉर्ड, युवा रंगकर्मी जय पंजवानी को रंगमनीषी सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं दर्शकों को प्रोत्साहित करने के लिए पांच स्कूल बैग, चार स्मार्ट वॉच, एक लैपटॉप प्रोत्साहन पुरस्कार स्वरूप दिए गए। कार्यक्रम में स्वागत भाषण गोपाल बलवानी, कार्यक्रम की रूपरेखा कुमार किशन अध्यक्ष सिन्धू प्रवाह अकादमी द्वारा कार्यक्रम का संचालन हर्षिता धनवानी एवं अतिथियों का स्वागत दौलत खेमचंदानी, डॉ. पल्लवी किशन, राजकुमार परसवानी, रोहित सामदानी, विजय भागचंदानी ने किया।

# पौधारोपण कर मनाया 'जड़ी-बूटी दिवस'

उज्जैन। पतंजलि योगपीठ परिवार (उज्जैन) रघुप्रेम सेवा फाउंडेशन, वृक्ष मित्र सेवा समिति द्वारा 4 अगस्त को 'जड़ी-बूटी दिवस' मनाया गया। यह दिवस आचार्य बालकृष्णजी महाराज के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर उज्जैन के पतंजलि योगपीठ परिवार के सदस्यों द्वारा विक्रम विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम की सभापति कलावती यादव और एस.एन. कृष्णा हॉस्पिटल की संचालिका डॉ. आकांक्षा यादव उपस्थित रहीं।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com